लड़कियों के सशक्तिकरण एवं बाल विवाह के दर में कमी लाने की दिशा में

उमंग आई.सी.आर.डब्ल्यू द्वारा संकल्पित लड़कियों के सशक्तिकरण का एक व्यापक, बहुस्तरीय कार्यक्रम है, जिसका उदेश्य झारखंड राज्य के गोड्डा और जामताड़ा जिलों में लड़कियों की विद्यालय में उपस्थिति बढ़ाना तथा बाल विवाह की दर को कम करना है। कार्यक्रम को आई.के.ई.ए. फाउंडेशन द्वारा समर्थित किया गया है।

उमंग कार्यक्रम को आई.सी.आर.डब्ल्यू द्वारा साथी, बदलाव फाउंडेशन, और प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल के साथ मिलकर और झारखंड सरकार के सहयोग से लागू किया जा रहा है। यह कार्यक्रम एक सामाजिक–पारिस्थितिकीय ढांचे और लैंगिक बदलाव के दृष्टिकोण का उपयोग करके व्यक्तिगत (किशोरियों), पारिवारिक (माता–पिता, भाई–बहन), समुदाय (पुरुष एवं लड़के, महिलाएं एवं अन्य सामुदायिक सदस्य) तथा व्यवस्था (स्कूल, स्थानीय शासन संरचनाएं जैसे पीआरआई, बाल संरक्षण तंत्र आदि) स्तरों पर बहुस्तरीय हस्तक्षेप के लिए काम करता है।

झारखंड और पूरे भारत में कोविड–19 महामारी की कई लहरों के बावजूद उमंग टीम ने झारखंड में समुदायों के साथ काम जारी रखने हेतु अपने प्रयासों को लगातार जारी रखा है। यह संक्षिप्त विवरण किशोर लड़कियों और उनके समुदायों पर उमंग के प्रभाव को बरकरार रखते हुए कार्यक्रम की अब तक की प्रगति एवं पहुंच को दर्शाता है।

एन.एफ.एच.एस 2019–21: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019–21 के अनुसार, देश में 20–24 वर्ष की उम्र की 23% महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से कम उम्र में हुआ। झारखंड में यह आंकड़ा 32% है, जबकि गोड्डा में 59% तथा जमताड़ा में 58% है।

स्कूल–आधारित हस्तक्षेप

जेम्स प्रोग्राम से प्रेरित होकर उमंग कार्यक्रम इस विचार से डिजाइन किया गया है कि विद्यालय की भूमिका को अक्सर अनदेखा किया जाता है कि वे जेंडर असमानता को बनाए रखने में कितने महत्वपूर्ण हैं, साथ ही यह भी कि स्कूल एक आदर्श सामाजिक संस्थान हैं तथा उन रुढ़िवादियों का मुकाबला करने की प्रक्रिया को शुरु करने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान कर सकते हैं, जो हिंसक व्यवहार एवं हिंसा की स्वीकृति को रेखांकित करते हैं। इसलिए उमंग कार्यक्रम लैंगिक समानता एवं बाल विवाह प्रतिबंध हेतु परिवर्तनकारी व स्थायी बदलाव लाने के लिए स्कूलों में लड़कियों एवं लड़कों के साथ संरचित समूह शिक्षा गतिविधियों (जी.ई.ए) तथा स्कूल–आधारित अभियानों के माध्यम से सामूहिक आत्मचिंतन में संलग्न है। शिक्षक अंतर्स्कूल परिप्रेक्ष्य के केंद्र में होते हैं, क्योंकि वे न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व एवं भविष्य को भी प्रभावित करते हैं।

उमंग कार्यक्रम के तहत विद्यालय के साथ जुड़कर काम किया जा रहा है, ताकि किशोरियों का विद्यालय में क्षीजन (ड्राप आउट) कम किया जा सके, ताकि विद्यालय में जेंडर समानता का माहौल बनाया जा सके, ताकि किशोर एवं किशोरियां बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात कर सकें, एवं सामाजिक मापदंड को चुनौती भी दे सके।

चुने गए शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक को उमंग पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षित नोडल शिक्षक विद्यालय में किशोर एवं किशोरियों के साथ सत्र को संचालित कर रहे हैं, जो जेंडर असमानता, हिंसा एवं बाल विवाह विवाह को कम करने की दिशा में स्थायी परिवर्तन लेन हेतु कार्य करेगा।

स्कूल–आधारित गतिविधियां जैसे

- स्कूल शिक्षा गतिविधियां (जी.ई.ए): लगभग 19,000 किशोर (लड़कियां एवं लड़के) इन गतिविधियों में भाग ले चुके हैं। साथ ही, लगभग 200 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है तथा करीब 18 सत्र पूरे हो चुके हैं।
- स्कूल–आधारित अभियान और स्कूल असेंबली में लैंगिक मुद्दों पर चर्चा।
- शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों के साथ लैंगिक मुद्दों पर चर्चा।
- स्कूल प्रबंधन समिति एवं बाल संसद को मजबूत करना।
- स्कूल प्रोफाइलिंग।

समूह शिक्षा एवं खेलकूद

समूह शिक्षा एवं खेलकूद, उमंग के तहत लड़कियों की उच्च शिक्षा व रोजगार से जुड़ने की आकांक्षा को बढ़ावा देना एवं बाल विवाह के दर में कमी लाना है। दोनों जिलों के 4 ब्लॉकों में कुल 209 गांवों का चयन किया गया। जिसमें 10–14 वर्ष और 15–18 वर्ष उम्र की लड़कियों को सूचीबद्द किया गया और माता–पिता की सहमति/स्वीकृति के साथ उन्हें समुदाय स्तरीय समूह शिक्षा गतिविधियों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। किशोरों के लैंगिक परिप्रेक्ष्य निर्माण पर आधारित एक पाठ्यक्रम तैयार किया गया और उमंग के समुदाय कार्यकर्ताओं (पीयर एडूकेटर एवं फसलीटेटर) के प्रशिक्षण आयोजित किए गए, तत्पश्चात चयनित किशोर लड़कियों के साथ कई दिशानिर्देशन एवं संरचित सत्र किए गये।

समुदाय स्तरीय समूह शिक्षा गतिविधि सत्रों के साथ–साथ फुटबॉल कोचिंग व खेलकूद सत्र भी जोड़े गये। लड़कियों के लिए एक खेल के रुप में फुटबॉल को असमान लैंगिक मानदंडों को स्थानांतरित करने तथा प्रशिक्षण के बीच जुड़ाव, गतिशीलता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन के रुप में पेश किया गया। उमंग कार्यक्रम के आंकड़ों से एक समयावधि में समुदाय स्तरीय समूह शिक्षा (जी.ई.ए) और खेल सत्रों में किशोर लड़कियों की भागीदारी का पता चलता है। जिसके परिणामस्वरुप बड़ी संख्या में 15–18 वर्ष की स्कूल ड्रॉपआउट लड़कियों ने दोबारा प्रवेश लिया है, जिनमें से कई ने शिक्षा जारी रखने और अपने करियर के लक्ष्य प्राप्ति हेतु दृढ़ संकल्प लिया है। कार्यक्रम का हिस्सा होने के नाते ये लड़कियां ब्लॉक एवं जिला स्तर पर फुटबॉल खेल रही हैं।

लगभग **28000** किशोरों तक उमंग सामुदायिक जी.ई.ए. सत्रों के माध्यम से लाभ पहुंचाया।

इन **1732** प्रतिभागियों में से **40%** प्रतिभागी गरीब सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि तथा अल्पसंख्यक समुदायों से थे।

1732 जी.ई.ए. प्रतिभागी किशोर उच्च शिक्षा हेतु दूसरे शहरों में चले गए।

415 विवाहित किशोरियों ने भी जी.ई.ए. सत्रों में भाग लिया।

पुरुषों एवं लड़कों की भागीदारी

उमंग के आधारभूत सर्वेक्षण के निष्कर्ष से पता चलता है कि बेटियों की शिक्षा और विवाह संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में पुरुषों, खासकर पिताओं की सबसे अहम् भूमिका होती है।

उमंग कार्यक्रम में असमान सामाजिक मानदंडों को बदलने के लिए पुरुषों एवं लड़कों को संवेदनशील बनाने हेतु एक विशेष घटक शामिल है, जिससे लैंगिक संबंधों को बेहतर बनाने, पारिवारिक एवं सामुदायिक स्तर पर बालिकाओं की अहमियत बढ़ाने तथा उनके सशक्तिकरण के लिए सक्षम व सहायक वातावरण तैयार करने में मदद मिलती है।

यह कार्यक्रम शुरु में जिला एवं ब्लॉक स्तर के कार्यशालाओं में पुरुषों, लड़कों, पंचायती राज संस्थाओं (पी.आर.आई.) के सदस्यों के साथ–साथ जिला व ब्लॉक कार्यालय के प्रतिनिधियों के साथ आरंभ किया गया था। इसके बाद युवा पुरुषों एवं लड़कों के छोटे समूहों के साथ पंचायत स्तर की गतिविधियों का आयोजन किया गया। हालांकि, इन कार्यशालाओं से सीख से अनौपचारिक, स्थानीय संवादात्मक मंच पर पुरुषों व लड़कों को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता को पहचाना गया।

तद्नुसार, दिसंबर 2020 में 212 कार्यरत् गांवों में सूची और युवाओं के समूह बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ तथा 18409 पुरुषों एवं लड़कों से मिलकर 716 समूह बनाए गए। अब तक उनके साथ लैंगिक समानता, पितृसत्ता व मर्दानगी के मुद्दों पर 4925 सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

सामुदायिक एकजुटता एवं जनसंचार

उमंग के एस.बी.सी.सी. कार्यक्रम का उदेश्य ऐसी सामग्री और गतिविधियां विकसित करना है जो व्यक्तियों, परिवारों एवं समुदाय में शिक्षा प्रदान करने वाले संचार प्रारुप का उपयोग करके लड़कियों की शिक्षा के निर्णायक फैसलाधारकों को प्रभावित कर सकें तथा बाल विवाह के दर में कमी लाये। उमंग द्वारा बनायी गयी एस.बी.सी.सी रणनीति ने संचार एवं व्यवहारिक उद्धेश्यों जैसे कार्यक्रम डिजाइन, लक्षित दर्शकों की पहचान और सभी गतिविधियों में सुनियोजित संचार प्रदान हेतु मार्गदर्शन किया।

उमंग कार्यक्रम ने गोड्डा और जमताड़ा के 4 ब्लॉकों के 108 ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर कई दौर के नुक्कड़ नाटक अभियान चलाए। इन अभियानों का फोकस लड़कियों की निरंतर स्कूली शिक्षा, स्कूल छोड़ने की दर को कम करना तथा बालिका शिक्षा की अहमियत को बढ़ावा देना था। सिंक्रनाइज अभियान के रुप में नुक्कड़ नाटक के संदेशों को दोहराने हेतु कई गांवों में दीवारों पर चित्रकारी की गई। इसके अलावा, किशोर लड़कियों के बोलचाल कौशल, एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ाने के लिए कई दौर की रंगमंच आधारित कार्यशालाएं आयोजित की गई। साथ ही कोविड के प्रति जागरुकता बढ़ाने और टीकाकरण के प्रति जागरूकता हेतु एफ.एम रेडियो के माध्यम से जनसंचार अभियान चलाया गया।

130000+ दर्शकों द्वारा देखे गए 738 नुक्कड़ नाटक प्रस्तुतियां।

आकाशवाणी और एफ.एम चैनलों के माध्यम से कोविड–19 जागरुकता पर 31 दिन तक रेडियो प्रसारण अभियान।

272 लड़कियों एवं लड़कों के साथ रंगमंच आधारित संचार व व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं, उसके बाद गांव एवं ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शन।

टिप्पणीः टी.जी. लक्षित समूह, जी.ई.एः समूह शिक्षा गतिविधियां, एयर – ऑल इंडिया रेडियो, एफ.एमः फ्रिक्वेंसी मॉडुलेटर (एफ.एम. रेडियो), एस.बी.सी.सी.ः सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण।

हम इस उपलब्धि को साकार करने के लिए उमंग टीम के समर्पित सदस्यों के सामूहिक प्रयास की प्रशंसा करते हैं; आपके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद—नसरीन जमाल, शक्ति घोष, नितिन दत्ता, पारसनाथ वर्मा, बिनित झा, त्रिलोकी नाथ, रवि वर्मा, अमाजित मुखर्जी, प्रणिता अच्युत, संदीपा फांडा एवं अनुराग पॉल।

प्राथमिक लेखकः शक्ति घोष, नसरीन जमाल एवं अमाजित मुखर्जी

ICRW INTERNATIONAL CENTER FOR RESEARCH ON WOMEN

SATHEE साथी

BADLAO FOUNDATION INITIATIVE FOR CHANGE

pci INDIA

आई.सी.आर.डब्ल्यू एशिया रिजनल ऑफिस
मॉड्यूल नंबर-410, फोर्थ फ्लोर, एन.एस.आई.सी बिजनेस पार्क बिल्डिंग
ओखला इंडस्ट्रियल स्टेट, नई दिल्ली - 110020, भारत
फोनः +91-11-46643333 | फैक्सः 91-11-24635142
ईमेलः info.india@icrw.org
वेबसाइटः www.icrw.org/asia

आई.सी.आर.डब्ल्यू जामताड़ा प्रोजेक्ट ऑफिस
ग्राउंड फ्लोर, 726-ए/1 पी2, कृष्णा नगर,
मिहिजम, जमताड़ा, झारखंड - 815354